स्वर्ण जयंती समारोह: छाया चित्र

!!साहिब सतनाम्!!
भुड़कुड़ा सिद्धपीठ के दशम् पीठाधीश्वर
श्री महंथ रामाश्रय दास जी महाराज
(1976 वि०सं०–2066 वि०सं०)

ब्रह्मलीन श्री महंत रामाश्रय दास जी महाराज की

श्री महंत रामाश्रय दास जी महाराज

!!साहेब सतनाम!!
महाराज

श्री महंथ रामाश्रय दास स्नातकोत्तर महाविद्यालय
भुड़कुड़ा, गाजीपुर
साधना, सेवा और शिक्षा की पुण्यभूमि–भुड़कुड़ा सिद्धपीठ से
आप सभी को सादर आमंत्रण।
संत परंपरा की उज्ज्वल ज्योति के दसवें सिद्ध संत,महाविद्यालय के संस्थापक
अध्यक्ष एवं समाज-संस्कृति के पुनर्जागरणकर्ता
पूज्य श्री महंथ रामाश्रय दास जी महाराज की प्रतिमा का
अनावरण समारोह
दिनांक: 11 अक्टूबर 2025, शनिवार
समय:
स्थान: महाविद्यालय प्रांगण, भुड़कुड़ा, गाजीपुर
मुख्य अतिथि
पूज्य योगी आदित्यनाथ जी महाराज
गोरक्षपीठाधीश्वर, उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री
के कर कमलों द्वारा संपन्न होना सुनिश्चित है।
यह केवल एक अनावरण नहीं, बल्कि भक्ति, ज्ञान, संस्कार और जन-सहयोग के संगम का ऐतिहासिक क्षण है
–जहाँ संत परंपरा की दिव्यता, शिक्षा की साधना और लोककल्याण की भावना एक साथ अभिव्यक्त होगी।
महाविद्यालय परिवार एवं क्षेत्र की जनता, इस क्षण की वर्षों से प्रतीक्षा में रही है। माननीय मुख्यमंत्री जी के
सान्निध्य में अब यह स्वप्न साकार होने जा रहा है।
आइए, इस पावन अवसर के साक्षी बनें, और संत परंपरा, श्रद्धा एवं शिक्षा की इस अनूठी गाथा में सहभागिता
निभाएँ।
सादर स्वागताकाँक्षी
श्री महंथ शत्रुघ्न दास जी महाराज
(पीठाधीश्वर, सिद्धपीठ भुड़कुड़ा)
सप्रेम आमंत्रणार्पक
प्रो. (बृजेश कुमार जायसवाल)
(प्राचार्य)
सहर्ष पावन सान्निध्य के आकांक्षी
समस्त महाविद्यालय परिवार

भुड़कुड़ा पीजी कॉलेज में मुख्यमंत्री के प्रबुद्धजन संवाद कार्यक्रम में मौजूद लोग। संवाद

सिद्ध पीठ भूडकुड़ा मठ का चमत्कारी इतिहास और योगी आदित्यनाथ से गहरा जुड़ाव

भास्कर दूत
रमेश प्रसाद सोनी ब्यूरो चीफ

गाजीपुर। सिद्ध भूमि भूडकुड़ा मठ एक ऐसा आध्यात्मिक केंद्र है, जहां संत परंपरा, चमत्कार और भक्ति का अद्भुत संगम दिखाई देता है। सिद्ध पीठ के विद्वान व शिक्षक उमाशंकर पांडे से हुई लेटेस्ट स्टोरी वार्ता में उन्होंने बताया कि उत्तर भारत की संत परंपरा में भूडकुड़ा मठ का विशेष स्थान है। उन्होंने कहा कि गोरखपुर सिद्ध पीठ के महंत एवं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी का मठ से जुड़ाव कई वर्षों पुराना है। महंत शत्रुघ्न दास जी, प्राचार्य प्रोफेसर बृजेश जायसवाल, तथा वरिष्ठ शिक्षक उमाशंकर पांडे द्वारा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को महंत रामाश्रय दास जी की प्रतिमा अनावरण समारोह के लिए आमंत्रण दिया गया था। मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया था कि तय समय पर सूचना भेजी जाएगी, जिसके अंतर्गत 11 अक्टूबर को भुड़कुड़ा पीजी कॉलेज में उनके आगमन की तैयारी जोरों पर चल रही है। उमाशंकर पांडे ने बताया कि संवत 1600 ईस्वी के आसपास भूडकुड़ा सिद्ध पीठ मठ की स्थापना हुई थी। यहां अब तक आठ महंतों की जीवंत समाधियाँ हुईं, और वर्तमान में ग्यारहवें महंत शत्रुघ्न दास जी मठ का संचालन कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि आचार्य रजनीश ओशो ने इस मठ पर चार पुस्तकें लिखी हैं और कहा है कि "विश्व संत साहित्य में भूडकुड़ा जैसा मठ कहीं नहीं है।" यह सम्पूर्ण गाजीपुर के लिए गर्व की बात है। चमत्कारों की चर्चा करते हुए उन्होंने बताया कि तीसरे महंत भीखा साहब और संत कीनाराम जी के बीच शक्ति प्रदर्शन की घटना आज भी चर्चित है। जब कीनाराम जी ने कुएं का जल 'मदिरा' कह दिया तो चमत्कारवश जल सचमुच मदिरा में बदल गया, और बाद में दोनों संतों की शक्ति से पुनः जल बन गया। उस समय की दीवार की दरारें आज भी मठ में विद्यमान हैं, जिन्हें देखने दूर-दराज से श्रद्धालु आते हैं। एक अन्य प्रसंग में उन्होंने बताया कि आठवें महंत जय नारायण साहब के समय जब वे बिना टिकट ट्रेन में सवार हुए तो टीटी ने रोक दिया। उन्होंने शांत स्वर में कहा — "मैं नहीं जाऊँगा तो ट्रेन भी नहीं जाएगी।" वास्तव में ट्रेन वहीं रुक गई, तमाम प्रयासों के बाद जब स्टेशन मास्टर ने माफी मांगी और संत जी को ट्रेन में बैठने के लिए आग्रह किया, तब उन्होंने कहा — "अब चलो," और ट्रेन चल पड़ी। आज भी भूडकुड़ा मठ को सत्य और असत्य के निर्णय स्थल के रूप में जाना जाता है। लोग दूर-दराज से यहां आकर अपनी समस्याओं का समाधान खोजते हैं। सिद्ध पीठ भूडकुड़ा मठ केवल आस्था का केंद्र नहीं, बल्कि संत परंपरा, चमत्कार और अध्यात्म का जीवंत प्रतीक है।

सिद्धपीठ भूडकुड़ा मठ के विद्वान व शिक्षक उमाशंकर पांडे से हुई खास बातचीत

♦ यहां अब तक आठ महंतों की जीवंत समाधियाँ हुईं, और वर्तमान में ग्यारहवें महंत शत्रुघ्न दास जी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के 11अक्टूबर कों आगमन को लेकर तैयारियाँ तेज — डीआईजी वैभव कृष्ण व एसपी डॉ. इरज राजा ने किया सुरक्षा व्यवस्था का जायजा

भास्कर दूत
ओपेंद्र कुमार संवाददाता

जखनिया गाजीपुर। आज दिनांक 09 अक्टूबर 2025 को पुलिस उपमहानिरीक्षक वैभव कृष्ण (वाराणसी) की उपस्थिति में पुलिस अधीक्षक डॉ. इरज राजा (गाजीपुर) द्वारा थाना भुड़कुड़ा क्षेत्र स्थित श्री महंत रामाश्रय दास पी.जी. कॉलेज में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के 11 अक्टूबर को संभावित आगमन के दृष्टिगत तैयारियों का निरीक्षण किया गया। डीआईजी वैभव कृष्ण और एसपी डॉ. इरज राजा ने कार्यक्रम स्थल, हेलीपैड और हथियाराम मठ का भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान डीआईजी वैभव कृष्ण ने भुडकुंडा मठ के पीठाधीश्वर शत्रुघ्न दास, हथियाराम मठ के महामंडलेश्वर भवानी नंदन यति, तथा कॉलेज के प्राचार्य प्रो. बृजेश जायसवाल से मुलाकात की और क्षेत्र की भौगोलिक स्थिति का अवलोकन किया। इस मौके पर अपर पुलिस अधीक्षक नगर ज्ञानेंद्र कुमार, प्रभारी निरीक्षक धीरेन्द्र प्रताप सिंह (भुड़कुड़ा) सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। वन रेंजर शंकर नाथ सिंह ने बताया कि हेलीपैड के समीप झुके एवं सूखे पेड़ों की डालियों की कटाई की गई है। इसके साथ ही कुछ पेड़ों पर मौजूद मधुमक्खी के छत्तों को भी हटाया गया। ब्लॉक स्तरीय प्रशासनिक अमला भी तैयारियों में जुटा है। खंड विकास अधिकारी भीमराव प्रसाद, सचिव रामजनम सिंह, राजकमल कुमार और यशवंत यादव के निर्देशन में जखनिया, बिरनो, सादात, मरदह और मनिहारी ब्लॉकों के लगभग 1000 सफाई कर्मचारियों ने फावड़ा लेकर पूरे मठ परिसर में सफाई अभियान चलाया। साथ ही टेंट लगाने का कार्य भी तेजी से जारी है। इस अवसर पर भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष प्रमोद वर्मा, वरिष्ठ शिक्षक उमाशंकर पांडे, उद्योग व्यापार मंडल के प्रदेश संगठन सचिव अशोक गुप्ता, प्रधान प्रतिनिधि दीनानाथ सिंह, रजत सिंह, आनंद, ग्राम प्रधान मदन कुमार, अश्वनी सिंह सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आगमन से भुड़कुड़ा सिद्धपीठ के आध्यात्मिक इतिहास में स्वर्णाक्षरों में अंकित हो गया, बृजेश जायसवाल प्राचार्य

दैनिक भास्कर दूत
रमेश प्रसाद सोनी ब्यूरो चीफ

गाजीपुर। भुड़कुड़ा सिद्धपीठ परिसर आज ऐतिहासिक आध्यात्मिक आयोजन का साक्षी बना, जब प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी महाराज के करकमलों से महाविद्यालय के संस्थापक अध्यक्ष श्री महंथ रामाश्रय दास जी महाराज की प्रतिमा का भव्य अनावरण संपन्न हुआ। उक्त बातें महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. बृजेश जायसवाल, मठ व्यवस्थापक उमाशंकर पाण्डेय ने कहाँ की यह क्षण न केवल सिद्धपीठ के लिए, बल्कि पूरे जखनिया क्षेत्र के लिए गौरव का विषय बन गया। संस्थापक अध्यक्ष की प्रतिमा स्थापना का संकल्प पूरा होने पर उपस्थित श्रद्धालुओं, संत जनों और क्षेत्रीय जनता में अपार हर्ष का माहौल रहा। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने अपने करकमलों से प्रतिमा का अनावरण कर महंथ रामाश्रय दास जी महाराज के योगदानों को नमन किया। आयोजन के दौरान पूरे

परिसर में "जय श्रीराम" और "भारत माता की जय" के जयघोष गूंजते रहे। इस भव्य कार्यक्रम की सफलता में जिलाधिकारी अविनाश कुमार, पुलिस अधीक्षक डॉ. इरज राजा, वाराणसी डीएम राज लिंगम, एमएलसी विशाल सिंह चंचल, पूर्व सांसद राधे मोहन सिंह, विधायक बेदी राम, सहित असंख्य श्रद्धालुओं और स्थानीय जनप्रतिनिधियों का अहम योगदान रहा। सभी ने शांति और सौहार्दपूर्ण वातावरण में कार्यक्रम को सफल बनाने में सराहनीय भूमिका निभाई। कार्यक्रम की सफलता पर महाविद्यालय परिवार, शिक्षकगण, कर्मचारी, वर्तमान एवं पूर्व छात्र-छात्राओं, मठ के श्रद्धालुओं, जखनिया क्षेत्र की सम्मानित जनता, मीडिया बंधुओं और सभी सहयोगियों के प्रति आयोजक मंडल ने हृदय से आभार व्यक्त किया। संत जनों के आशीर्वाद और जनता के सहयोग से संपन्न यह आयोजन निश्चित रूप से भुड़कुड़ा सिद्धपीठ के आध्यात्मिक इतिहास में स्वर्णाक्षरों में अंकित हो गया है।